हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, बुधवार 15 जुलाई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

15 से 30 जुलाई तक चलेगा 'नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' जन जागरूकता अभियान

मण्डला। समाज में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति व्यापक जनजागरूकता फैलाने और नशामुक्ति का संदेश घर-घर तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिले में 15 जुलाई से 30 जुलाई 2026 तक 'नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' अभियान चलाया जाएगा। अभियान का संचालन सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के समन्वय से पुलिस विभाग तथा विभिन्न शासकीय विभागों के सहयोग से किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत ग्राम एवं नगर स्तर पर प्रतिदिन विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें रैली, शपथ ग्रहण, नुक्कड़ नाटक, पोस्टर एवं चित्रकला प्रतियोगिता, लघु फिल्म प्रदर्शन, जनसंवाद, मानव श्रृंखला, सोशल मीडिया अभियान, खेल गतिविधियाँ तथा विभिन्न संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रम शामिल रहेंगे। अभियान की शुरुआत 15 जुलाई को मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार, नशामुक्ति संदेश वाले पंपलेट वितरण तथा स्कूल-कॉलेजों एवं सामाजिक संगठनों के सहयोग से शपथ कार्यक्रमों के साथ होगी। इसके बाद विद्यालयों, महाविद्यालयों, छात्रावासों, धार्मिक स्थलों, बाजारों, सार्वजनिक परिवहन स्थलों, पुलिस थाना परिसरों तथा विभिन्न शासकीय संस्थानों में प्रतिदिन निर्धारित गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। अभियान के दौरान नशा पीड़ित व्यक्तियों को पुनर्वास एवं उपचार संबंधी जानकारी भी उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही भारत सरकार के 'नशा मुक्त भारत अभियान' के अंतर्गत हेल्पलाइन 14446 एवं मानस हेल्पलाइन 1933 का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा तथा नागरिकों को नशामुक्ति की शपथ दिलाकर अभियान से जोड़ने के प्रयास किए जाएंगे।

16 एवं 17 जुलाई को आईएफएमआईएस प्रशिक्षण शिविर आयोजित होंगे

मण्डला। जिला कोषालय कार्यालय, मंडला द्वारा आईएफएमआईएस प्रणाली के प्रभावी संचालन एवं संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से 16 एवं 17 जुलाई 2026 को प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिला कोषालय अधिकारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार, प्रशिक्षण शिविर में विभिन्न आहरण एवं संवितरण अधिकारियों तथा संबंधित कर्मचारियों को आईएफएमआईएस प्रणाली के संचालन, ऑनलाइन प्रक्रियाओं एवं आवश्यक तकनीकी बिंदुओं की जानकारी दी जाएगी, जिससे वित्तीय कार्यों का निष्पादन अधिक पारदर्शी, सुगम एवं समयबद्ध ढंग से किया जा सके। जिला कोषालय अधिकारी ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि वे निर्धारित तिथि एवं समय पर प्रशिक्षण शिविर में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर प्रशिक्षण का लाभ प्राप्त करें।

मंडला के रेल विकास से ही संभव है जिले का सर्वांगीण विकास-पट्टा

विधायक पट्टा की रेल मंत्री से फोन पर हुई वार्ता

*** 5 ऐतिहासिक मांगों का सौंपा मांग पत्र।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिले की रेल समस्याओं को देश के शीर्ष पटल पर रखने के उद्देश्य से अपने दिल्ली प्रवास के दौरान विधायक श्री पट्टा ने रेल मंत्री को जिले की रेल सेवाओं के विस्तार व विकास के लिए केंद्रीय रेल मंत्री को मांग पत्र प्रेषित किये हैं। व्यस्तता के चलते केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से प्रत्यक्ष भेंट (अपॉइंटमेंट) तो संभव नहीं हो सकी, लेकिन विधायक पट्टा के निरंतर प्रयासों और विशेष अनुरोध पर रेल मंत्री ने उनसे फोन पर अत्यंत सकारात्मक और विस्तृत चर्चा की।

इस महत्वपूर्ण दूरभाष वार्ता के दौरान विधायक नारायण सिंह पट्टा ने मण्डला जिले की भौगोलिक, सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों का हवाला देते हुए कुल 6 विशेष मांग पत्र (ज्ञापन) रेल मंत्रालय को सौंपे।

6 ज्ञापनों की प्रमुख मांगें

विधायक ने अपने पहले ज्ञापन में बिलासपुर-पंडरिया-मंडला-जबलपुर रेल कॉरिडोर के 'मिसिंग लिंक' (पंडरिया-मंडला-ग्वारीघाट) के बीच 230 किलोमीटर के तत्काल मंजूरी देने की मांग की। 'बिलासपुर डिस्ट्रिक्ट गजेटियर 1910' और 'मंडला डिस्ट्रिक्ट गजेटियर 1912' प्रमाणित करते हैं कि यह रूट 126 साल पहले से स्वीकृत मार्ग था। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (SECR) के हालिया प्रशासनिक डेटा के अनुसार इस क्षेत्र का ROR (Rate of Return) बढ़कर +1.73% हो चुका है, जो इसकी वर्तमान आर्थिक उपयोगिता को सिद्ध करता है। इस 230 किमी के मिसिंग लिंक के जुड़ने से जबलपुर और बिलासपुर के बीच की दूरी में 100 से 110 किलोमीटर की सीधी बचत होगी और यह मार्ग प्रमुख पर्यटन स्थलों को एक अंतरराष्ट्रीय सर्किट से जोड़ देगा।

इसी तरह पेंड्रारोड-अमरकंटक-डिंडौरी-मंडला-घंसौर-लखनादौन-गोटेगांव (श्रीधाम) तक 406.2 किलोमीटर लंबी नवीन रेल परियोजना को गति देने की मांग की गई है। पूर्व में हुए टोह सर्वेक्षण (RECT Survey) के बाद अब इसके FLS को तुरंत मंजूरी देने का आग्रह किया गया है। 4395.85 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली यह परियोजना अमरकंटक और झोतेश्वर धाम जैसे धार्मिक केंद्रों को जोड़ने के साथ कान्हा, पेंच और अचानकमार जैसे विश्व प्रसिद्ध राष्ट्रीय उद्यानों से गुजरेगी, जिससे यह देश का अद्वितीय 'जंगल रेल कॉरिडोर' बनेगा।

मण्डला फोर्ट रेलवे स्टेशन को कागजों पर तो टर्मिनल का दर्जा प्राप्त है, लेकिन वहां ट्रेनों के रखरखाव की बुनियादी सुविधाएं नहीं हैं। रेलवे प्रशासन द्वारा 30 जुलाई 2026 से मण्डला फोर्ट पर ट्रेनों की सफाई और पानी भरने (Turn-around attention) की व्यवस्था सुनिश्चित कर दी गई है। स्टेशन पर टर्न-अराउंड व्यवस्था सुदृढ़ होने के बाद विधायक नारायण सिंह पट्टा ने सीधे तौर पर 9 प्रमुख रूटों पर नई ट्रेनों के संचालन की नीतिगत स्वीकृति मांगी है। स्टेशन के अंतिम छोर पर रिक्त भूमि पर 4-5 पिट और स्टेबलिंग लाइनें बनाई जाएं और कुल 5 प्लेटफॉर्म विकसित हों। व्यावसायिक क्षेत्र के स्थान पर पूरी भूमि का उपयोग केवल रेल परिचालन और पैसेंजर सुविधाओं (Food Court, Escalator, Lift, RPF चौकी, वाई-फाई) के लिए आरक्षित किया जाए।

मण्डलाफोर्ट-नैनपुर-सिवनी-छिंदवाड़ा-आमला जंक्शन तक 230 किमी मार्ग का दोहरीकरण हो तथा लोको रिवर्सल की समस्या के स्थायी समाधान हेतु नैनपुर बाईपास लाइन का निर्माण किया जाए। नैनपुर के ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए वहाँ उपलब्ध 700 एकड़ से अधिक सरप्लस रेलवे भूमि पर 'रेल कोच फैक्ट्री' की स्थापना की जाए और पुनः पूर्ण DRM कार्यालय स्थापित हो।

नगरपालिका स्पष्ट करे कि आखिर किस बात के दिये 50 लाख रूपये

*** किसने जारी किया उपयोगिता प्रमाण पत्र और किस आधार पर।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

नगरपालिका मण्डला द्वारा एक अनोखा कारनामा इन दिनों चर्चा में है इस कारनामे के तहत आनन-फानन में 50 लाख रूपये का भुगतान तो कर दिया गया लेकिन यह भुगतान किस लिये था, किन सामग्रियों के लिये था और उन सामग्रियों की गुणवत्ता कैसी होनी चाहिये थी क्या इस पर भी कोई स्पष्टता थी यदि ऐसा है तो फिर इसे नगरपालिका द्वारा सार्वजनिक करने में दिक्कत क्या हो रही है।

लगभग 07 माह हो गये टेंचिंग ग्राउंड में सोलर प्लांट को लगे हुये यह प्लांट इसलिये लगाया गया कि पहले जो विद्युत व्यवस्था में खर्च होता था उसे रोका जा सके साथ ही यहां जो कचरे को अलग करने की मशीन संचालित होती है उसे भी विधिवत चलाया जा सके।

इस प्लांट के लिये निविदा निकाली गई लेकिन निविदा में कौन-कौन सी फर्म ने भाग लिया किस फर्म को इसे लगाने का आदेश मिला उसने किन शर्तों के आधार पर इस प्लांट को लगाया और उसे किन परिस्थितियों में भुगतान किया गया यह परिषद के सदस्यों को ही आज दिनांक तक स्पष्ट नहीं है।

किसी भी सोलर प्लांट में बैटरी सबसे महत्वपूर्ण पक्ष होता है जबकि नपा की उपयंत्री का कहना है कि प्राक्कलन में बैटरी का कोई जिक्र ही नहीं था कि कौन सी लगानी है और प्लेट लगाने के लिये स्टेण्ड नहीं थे तो टीन पर ही लगा दी गई अब ऐसे जबाव जिम्मेदार लोग दे रहे हैं तो फिर समझा जा सकता है कि घालमेल कितना बड़ा है। कोई भी सोलर प्लांट लगता है तो उसका आधार पहले ही बनाना पड़ता है और यह भी स्पष्ट होता है कि बैटरी कितनी गुणवत्ता की लगाई जानी है।

जिले के समस्त पटवारी सामूहिक अवकाश पर

*** कैडर रिव्यू, पदोन्नति एवं अन्य मांगो को लेकर आंदोलन।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मध्यप्रदेश शासन द्वारा समस्त विभागों के कर्मचारियों को कई वर्षों बाद पदोन्नति किया जा रहा है परन्तु पटवारी वर्ग को प्रदेश में कोई भी पदोन्नति का लाभ नहीं दिया जा रहा है जबकि भू-प्रबंधन एवं संसाधन विभाग के ही अन्य कर्मचारियों को पदोन्नति किया जा रहा है। शासन के ऐसे सौतेले एवं भेदभाव पूर्ण व्यवहार के प्रति प्रदेश में पटवारियों ने खुलकर मोर्चा खोल दिया है। जिसमें मध्यप्रदेश पटवारी संघ भोपाल प्रांतीय कार्यकारिणी के आह्वान पर दिनांक 8 जुलाई 2026 को पूरे प्रदेश में एक साथ समस्त जिलों सहित मण्डला जिला में भी माननीय मुख्यमंत्री महोदय के नाम से जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया । ज्ञापन में कैडल रिव्यू लागू, पदोन्नति, समयमान वेतनमान की मांग, नायब तहसीलदार की विभागीय परीक्षा का आयोजन होना, जज प्रोटेक्शन एक्ट में पटवारी वर्ग को शामिल करना, लंबित वित्तीय भुगतान होना एवं अन्य समस्याओं के निराकरण न होने से 8 जुलाई 2026 के पश्चात 7 दिन की अवधि में शासन से विचार करने हेतु निवेदन किया गया परन्तु कोई विचार न होने से प्रदेश के समस्त पटवारी 15 जुलाई से 17 जुलाई तक तीन दिन के सामूहिक अवकाश पर ज्ञापन के लिखित चरण अनुसार चले गये हैं। जिसकी सूचना एवं ज्ञापन मण्डला जिले की सभी तहसीलों में पटवारियों ने अपने तहसील अध्यक्ष के साथ जाकर तहसीलदार को दे दी है। पटवारी अपने शासकीय कार्य पर सीधे अब सोमवार 20 जुलाई को लौटेंगे चूंकि 18 और 19 जुलाई को शासकीय अवकाश है। अवकाश अवधि में कोई भी पटवारी ऑनलाईन या ऑफलाईन सभी शासकीय कार्य से विरत रहेंगे साथ ही अन्य शाखाओं में संलग्न पटवारी भी कार्यालयीन कार्य से विमुक्त रहेंगे। मण्डला जिला के सभी पटवारी एकजुट हो मजबूती से पटवारी वर्ग के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ शासन से आरपार की लड़ाई हेतु प्रांतीय आह्वान पर हरदम तैयार हैं।

शतरंज प्रतियोगिता में बनाया चौथा स्थान

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

नागपुर में आयोजित प्रथम एनआईटी इंटरनेशनल फिडे रैपिड रेटिंग शतरंज टूर्नामेंट में मंडला के प्रतिभाशाली शतरंज खिलाड़ी भास्कर गरयार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 अंकों के साथ चौथा स्थान हासिल किया इस उपलब्धि से जिले के खेलप्रेमियों में हर्ष का माहौल है प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों सहित अन्य स्थानों से आए 500 से अधिक रेटेड शतरंज खिलाडियों ने भाग लिया एक दिवसीय इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में कुल 9 राउंड खेले गए भास्कर गरयार ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए 7 मुकाबलों में जीत दर्ज की और कुल 7 अंक अर्जित कर शीर्ष खिलाडियों में अपनी जगह बनाई है। भास्कर गरयार की इस सफलता के पीछे उनके परिवार का विशेष योगदान रहा उनके पिता प्रकाश वंशकार जो स्वयं एशियन एवं वर्ल्ड स्तर के जाने-माने शतरंज खिलाड़ी रहे हैं ने बचपन से ही उन्हें खेल के प्रति प्रेरित और प्रशिक्षित किया वहीं उनकी माता तथा पत्नी तनु गरयार ने भी निरंतर उत्साह वर्धन कर उनका मनोबल बढ़ाया भास्कर की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर नीरज अग्रवाल, संजुलता सिंगौर, कैलाश डेहरिया, राखी वंशकार वेद प्रकाश कुलस्ते सहित अनेक खेलप्रेमियों और शुभचिंतकों ने बधाई दी है।

अभियान

नगर में 11 टीनशेड हटाए गए।

अतिक्रमण के विरुद्ध नपा प्रशासन सख्त

*** आगे भी जारी रहेगा अतिक्रमण के विरूद्ध अभियान।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे के निर्देशानुसार जिले में अतिक्रमण के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में एसडीएम श्रीमती सोनल सिडाम के मार्गदर्शन में नगरपालिका, राजस्व विभाग, कोतवाली पुलिस एवं ट्रैफिक पुलिस की संयुक्त टीम ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान एनआरसी के पास किए गए अतिक्रमण को हटाते हुए छोटे-बड़े कुल 11 टीनशेड हटाए गए। इसके साथ ही उदय चौक से बढ़चौराहा मार्ग तक सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को भी हटाया गया, जिससे यातायात व्यवस्था सुचारु हो सके और आमजन को आवागमन में सुविधा मिले। कार्रवाई के दौरान नायब तहसीलदार श्री रामसिंह उलाड़ी सहित उनकी टीम उपस्थित रही। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक स्थानों एवं सड़क किनारे किए गए अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा। नागरिकों से अपील की गई है कि वे शासकीय भूमि एवं सार्वजनिक मार्गों पर अतिक्रमण न करें तथा प्रशासन के अभियान में सहयोग करें।

मंडला में हाईटेंशन लाइन की चपेट से युवक की मौत

*** घर की छत पर काम करते समय हादसा।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मंडला शहर के महाराजपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार को करंट लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। ज्वालाजी वार्ड के रहने वाले पूना राम नंदा अपने घर की छत पर कुछ काम कर रहे थे, इसी दौरान वे घर के पास से गुजरी हाईटेंशन विद्युत लाइन की चपेट में आ गए। करंट का झटका इतना तेज था कि वे बुरी तरह झुलस गए।

अस्पताल पहुंचने से पहले हो चुकी थी मौत

हादसे के तुरंत बाद परिजन और स्थानीय लोग गंभीर रूप से झुलसे युवक को लेकर जिला अस्पताल भागे। हालांकि, वहां मौजूद डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। जिला अस्पताल के डॉक्टर दिव्येश पटैल ने बताया कि युवक को जब अस्पताल लाया गया, तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं। शुरुआती जांच में हाईटेंशन तार से लगा करंट ही मौत की वजह माना जा रहा है।

पुलिस ने मर्ग कायम कर शुरू की जांच

घटना की जानकारी मिलते ही महाराजपुर थाना पुलिस जिला अस्पताल और घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मर्ग कायम कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हादसे के सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर विस्तृत जांच की जा रही है।

खबर संक्षेप

ग्रामीण क्षेत्रों में गंदगी के बीच लगे चैम्बरों से हो रहा जल सप्लाई, किसी दिन फैल सकती है बीमारी

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। जहां एक ओर सरकार द्वारा लोगों को शुद्व पेयजल उपलब्ध कराने के लिए प्रतिवर्ष करोड़ो रूपया खर्च करते हुए गांव गांव जल सप्लाई व्यवस्था की जा रही है। मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि पंचायतों की उदासीनता के चलते ग्रामीणों को दूषित पानी पीने के लिए मजबूर होते हुए देखा जा रहा है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत कुछ गांवों में देखने मिली रही है जहां पर पंचायत की उदासीनता के चलते ग्रामवासियों के घरों में दूषित पानी पहुंचने की संभावना स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगी है? इस संबंध में बताया जाता है कि पंचयात द्वारा नल जल योजना के तहत ग्राम के लोगों के घरो तक जल पहुंचाने के लिए लगाई गई लाईन के चैम्बरों की स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि वह गंदगी के बीच होने के कारण जब जल सप्लाई की जाती है तो नाली का गंदा पानी रिस्ते हुए अंदर तक पहुचने में कोई कसर नही छोड़ता है? वही दूसरी ओर इस प्रकार से खुले पड़े हुये चैम्बर आम लोगो की जान के लिए खतरा बनने से भी नही चूक रहे है? क्योंकि मार्ग के किनारे इस प्रकार से खुले पड़े हुए चैम्बरों में आये दिन लोग गिरने के कारण घायल होते हुए भी देखे जा रहे है, मगर इस ओर पंचायत द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान नही देने से यह अनुमान लगने लगा है कि कही ऐसा तो नही कि पंचायत द्वारा किसी बड़ी घटना का इंतजार किया जा रहा हो? जिसके चलते लोगों का कहना है कि यदि समय रहते हुए पंचायत द्वारा ध्यान नही दिया गया तो निश्चित ही इस प्रकार से खुले पड़े हुए चैम्बरों के चलते किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित हो सकती है।

शिक्षण संस्थाओं में गुहटों की भरमार से दहशत में दिखाई पड़ रहे बच्चे

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। भले ही शासन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में हर साल करोडो रूपया खर्च करते हुये स्कूलों को हाई टेक करने के साथ भवनों के निर्माण को सुन्दर से अति सुन्दर बनाया जा रहा है। मगर ग्रामीण क्षेत्रों में बनाये जाने वाले इन शिक्षा भवनों की जगह चिन्हित किये जाने के दौरान होने वाली अनदेखी का परिणाम होता है कि बारिश के दिनों में शिक्षण संस्थाओं के अंदर जहरीले कीट अवपस डेरा जमाने से नही चूकते है। क्योंकि अनेक शिक्षण संस्था इस तरह के स्थानों पर निर्मित की गई है वह गांव से बाहर होने के साथ साथ उस क्षेत्र में फैली हुई झाड़ियों के बीच आये दिन बीषधरों की चहल पहल बनी रहती है और वह बारिश के दौरान इन शिक्षण संस्थाओं अपना डेरा जमाने से चूकते है। इस तरह शिक्षण संस्थाओं में जहरीले कीटों के प्रवेश करने के कारण स्कूली बच्चों में दहशत दिखाई देती है तो दूसरी ओर उनकी जान को खतरा पैदा होने से नही चूकता है? वही दूसरी ओर देखा जाता है कि जब कोई छात्र छात्रा इस तरह शाला भवन के अंदर किसी जहरीले कीट यानि की सांप गुहटे को देख लेते है तो बच्चों के दिलों में डर इस तरह समा जाता है कि वह कई दिनों तक स्कूल जने का मन नही बना पाते है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम के एक शासकीय माध्यमिक शाला में देखने मिला जब बच्चों ने एक गुहेटे को देखा तो बच्चे दहशत के बीच चिल्लाने लगे।

शिक्षण सत्र शुरू होते हुये सड़कों पर फिर दिखाई देने लगे मनचले सड़क छाप मंजनुओं की भीड़

पुलिस की दहशत कमजोर होने से छात्रायें दहशत के बीच पहुंच रही स्कूल, एन्टी रोमियों मुहिम शुरू करने की उठाई जा रही मांग...

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

महिलाओं व छात्राओं के साथ लगातार घटित हो रही अपराधिक घटनाओं को ध्यान में रखते हुये प्रदेश शासन द्वारा बीते हुये वर्ष मनमानी करने वालों के खिलाफ कार्यवाही के लिये सख्त आदेश जारी किये गये थें जिसके चलते बीते हुये वर्ष पुलिस प्रशासन द्वारा आवारा गर्दी करने वालों के खिलाफ लगातार मुहिम चलाते हुये सड़क छाप मंजनुओं के खिलाफ शुरू की गई थी। इस मुहिम के चलते छात्राओं को काफी हद तक आवारा गर्दी करने वालों से निजात मिल गई थी। मगर बीता हुआ शिक्षा सत्र खत्म होते ही पुलिस की यह मुहिम कहा गायब हो गई थी जिसका अब नये शिक्षा सत्र के शुरू होने के बाद भी नजर न आना चिंता जनक दिखाई देने से नही चूक रहा है। नये शिक्षण सत्र शुरू होते हुये नगर के स्कूल आने जाने वाली सड़को से लेकर छात्राओं के स्कूलों के पास फिर सड़क छाप मंजनुओं के जमावडे नजर आने लगे है। इस स्थिति में चलते स्कूल व कोचिंग आने जाने वाली छात्राओं को दहशत के बीच देखा जाने लगा है...? क्योंकि नगर में आवारा गर्दी करने वालों के हौसले इतने बुलंद देखे जा रहे है कि स्कूली छात्र छात्राओं का सड़को से आना जाना मुश्किल होते हुये जान पड़ रहा है। यह बात सत्य है कि पुलिस अधिकारियों द्वारा बीते हुये वर्ष सड़क छापा मंजनुओं के खिलाफ अपनी मुहिम चलाई गई थी उससे स्कूलों छात्राओं के साथ साथ उनके अभिभाको द्वारा भी पुलिस के प्रति अपनी खुशी जाहिर की गई थी। मगर वह मुहिम शिक्षा सत्र खत्म होने के बाद बंद हो चुकी है उसकी शुरूआत पुनः नया सत्र शुरू होते ही महसूस किया जाना लागा है। क्योंकि नगर में देखने मिल रहा है कि छात्राओं के स्कूल छूटने व लगने के साथ साथ कोचिंग सेन्टर के पास आवारा गर्दी करने वाले मनचलों के हौसले बुलंद नजर आने लगे है? इस समय नये शिक्षण सत्र को शुरू हुये आधा माह बीतने को है जिसके चलते देखा जा रहा है कि नगर के स्कूलों में अध्ययन करने वाली छात्राओं के लिए सड़को पर घूमने वाले मनचलों द्वारा परेशान करने की घटनाओं से निजात मिलते हुए नजर नही आ रही है? इस बात को लेकर नगर की समाजसेवी संस्थाओं द्वारा पूर्व में पुलिस प्रशासन से मनचलों की हरकतो पर अंकुश लगाने की गुहार लगाते हुए ज्ञापन भी सौपा जा चुका था जिसके चलते पुलिस द्वारा कार्यवाही तो शुरू की गई थी। वही नगर में आवारा गर्दी करने वालों पर अंकुश लग गया था। मगर इस समय पुलिस थाने में पुलिस कर्मियों के हुये बदलाव तथा अधिकारियों के शांत रहने से जहां आवारा गर्दी करने वालों के दिलों में पुलिस की दहशत समाप्त होते हुये नजर आने लगी है तो दूसरी ओर मनचलों के हौसले बुलंद नजर आ रहे है। बताया जाता है कि नगर की शासकीय व निजी शैक्षणिक संस्थाओं में अध्ययनरत छात्र छात्राऐं बाहरी दुनिया से कट अपने उज्जबल भविष्य को ध्यान में रखते हुए सिर्फ किताबों में डूबने की तैयारियों में जुटी हुई देखे जा रही है। मगर वही दूसरी ओर देखने मिल रहा है कि छात्राओं के स्कूल आने जाने वाले मार्गो पर जो मंजर देखने मिल रहे है उसे देख अभिभावक जहां चिंता में डूबे हुए जान पड़ रहे है। वही नगर की स्थिति भी इस प्रकार से बिड़ते हुए देखी जा रही जिसके चलते यह जान पड़ रह है कि शायद नगर में आवारा गर्दी करने वालों पर पुलिस का अंकुश तो दूर उनके दिलों में पुलिस के प्रति कोई भय नही रह गया है। इसी परिणाम है कि मनचलों द्वारा शालाओं के खुलने व बंद होने के समय शहर की सड़कों, गलियों के मोड़ों सहित चाय पान के टपरों सहित शिक्षण संस्थाओं के आसपास धडल्ले से जहां मटर गस्ती करते हुये मासूम छात्राओं के साथ छिटाकशी तथा अशोभनीय हरकते करने में कोई कसर नही छोड़ रहे है...? यह बात अलग है कि इस प्रकार की घटनाओं से अपमानित होने वाली छात्राएं भय के चलते पुलिस थाने में शिकायत करने की हिम्मत नही जुटा पाती है। मगर पुलिस इस ओर गंभीरता के साथ ध्यान नही दिये जाने का परिणाम है कि इस प्रकार से स्कूलों व कोचिंग सेन्टरों में आने जाने वाली मासूम छात्राओं के साथ मनचलें छात्राओं के साथ छिटाकशी व छेड़खानी करने से भी नही चूक रहे है जिसके चलते छात्राओं को सरेआम अपमानित होते हुए देखा जा रहा है? इस संबंध में अपना नाम गोपनीय रखने की शर्त पर विभिन्न शालाओं में पढ़नें वाली छात्राओं ने बताया कि सजे सँवरे मोबाईल फोनों पर अश्लील गाने सुनतें हुए ये मनचले स्कूल जा रही या शालाओं से लौट रही छात्राओं पर फिकरे कसने के साथ साथ गलत इशारे बाजी करते है और कभी कभी किसी बहाने छात्राओं को रोककर उनसे प्रणय निवेदन कर मर्यादा को तार तार करने की कोशिश करने से भी बाज नही आते है..? इतना ही अक्सर देखा जाता है कि छात्राओं के स्कूल छूटने के समय इन मनचलों द्वारा एक मोटर साईकिल पर दो दो तीन तीन लोग बैठकर इस गति से दौड़ते हुए उनके कर्कस हार्न बजाकर छात्राओं को परेशान करते हुए आसानी से देखे जा सकते है? इस प्रकार शलीन व्यवहार करने से दूर रहने वाले ये मनचले मौका पाकर फिकरे कस छात्राओं की जलील करने से भी नही चूकते है...? आमजन की माने तो कुछ मनचलों के मूड में रहने और उनकी शक्ल गुंडो से मिलनी जुलती होने की वजह सें मासूम छात्राएं भयभीत होकर व उनकी फिकरे बाजी खामोशी से सहते हुए अपमान का कड़वा घूट पीने मजबूर रहती है। किन्तु अब स्थिति यह है कि मनचलों की चरम पर पहुँच रही कारगुजारियों से छात्राओं का शालाओं, कोचिंग क्लासों में पढ़ने के लिये जाना भी मुश्किल होने लगा है। गौरतलब है कि पुलिस की स्कूलो के समय सही गश्त न होने से नगर की शांति व्यवस्था को ग्रहण लगता हुआ जान पड़ रहा है। वही दूसरी ओर देखा जावे तो इस प्रकार से मनचलों की हरकतों से जिस तरह छात्राओं को परेशान होना पड़ रहा है, उसको लेकर अभिभावक और स्थानीयजन भी चिंतित होने लगे है। इस संबंध में हरिभूमि टीम से शोहदों के बढ़ते हौसलों पर चर्चा करतें हुए कहा है कि देखने में आ रहा है कि कतिपय युवा शासकीय चिकित्सालय वाले मार्ग से लेकर पानी टंकी या फिर छात्राओं के निजी व शासकीय स्कूलो को पास सहित अन्य स्थलों पर मड़राते हुए आसानी से देखे जा सकते है। जो शिक्षण संस्थाओं में न पढ़नें के बावजूद भी यह मनचले शैक्षणिक संस्थाओं के आसपास मँडरातें हुये छात्राओं को परेशान करने से नही चूक रहे है। इस तरह मनचलों की हरकतों के चलते अभिभावकों सहित नगर के लोगों द्वारा पुलिस प्रशासन से इस प्रकार से आवारा गर्दी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग करने की गुहार लगाई जा रही है।

कल जिला प्रभारी मंत्री धूनी नगरी में करेंगे नवनिर्मित सांदीपनि विद्यालय भवन का लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। प्रदेश शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण और जिले के प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत कल गुरूवार 16 जुलाई 2026 को दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा में नवनिर्मित शासकीय सांदीपनि विद्यालय भवन का लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होने के साथ साथ यहां पर जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक लेंगे। जारी दौरा कार्यक्रम के अनुसार प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत कल गुरूवार 16 जुलाई को दोपहर 1 बजे भोपाल से प्रस्थान कर दोपहर 3 बजे दादा धूनी वालों की नगरी साईखेड़ा आएंगे। आप दोपहर 3:30 बजे सांईखेड़ा में नवनिर्मित शासकीय सांदीपनि विद्यालय भवन का लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके पश्चात सायं 5 बजे से सांदीपनि विद्यालय सांईखेड़ा में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक लेंगे। बैठक में स्कूल शिक्षा, परिवहन, उद्यानिकी, वन विभाग, नागरिक आपूर्ति निगम, वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन एवं जिले में वर्षा की स्थिति के संबंध में समीक्षा करेंगे। प्रभारी मंत्री राजपूत सायं 6:30 बजे सागर के लिए प्रस्थान करेंगे।

सांगई में पीएम पोषण का सामाजिक अंकेक्षण का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। समीपस्थ ग्राम सांगई की एकीकृत शासकीय नवीन माध्यमिक शाला में मध्याह्न भोजन योजना अंतर्गत पीएम पोषण योजना के सामाजिक अंकेक्षण का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर जनपद पंचायत सांईखेड़ा से श्रीमती शिववती अहिरवार ने निरीक्षण के दौरान माता रोस्टर रजिस्टर, एमडीएम अभिलेख, प्रतिदिन भेजे जाने वाले एसएमएस संबंधी रजिस्टर, भोजन का नमूना, किचन-स्टोर की व्यवस्था, दीवार पर अंकित मेनू, समूह से संबंधित अनुबंध एवं अन्य आवश्यक अभिलेखों का अवलोकन किया । इसके साथ ही विद्यालय में संचालित मध्याह्न भोजन व्यवस्था एवं उसकी गुणवत्ता का निरीक्षण किया गया। इस दौरान बताया जाता है कि उन्होंने सामाजिक अंकेक्षण के द्वितीय चरण के अंतर्गत ग्रामवासियों एवं स्वसहायता समूहों की उपस्थिति में व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा भी की। इस अवसर पर स्व सहायता समूह से चतुर केवट, राजू केवट, भगवानदास केवट सहित प्रधान पाठक दशरथ प्रसाद जाटव, शिक्षक मधुसूदन पटैल, विवेक नाईक, देवेंद्र ठाकुर, किरण लता ठाकुर एवं अतिथि शिक्षक चंद्रभूषण नामदेव के अलावा छात्र छात्रायें उपस्थित रहें।

गांव गांव बिक रहे मादक पदार्थों के चलते बर्बादी की कगार पर पहुंच रही युवा पीढ़ी

हरिभूमि न्यूज/ सडूमर। नशे से सामाजिक माहौल विकृत हो रहा है, शराब की सेवन की जुंग में विवादों की घटनाएँ सामने आ रही है। क्योंकि अक्सर देखा जाता है कि नशा परिवारों में कलह का कारण बन रहा है, शहर और क्षेत्र की युवा पीढ़ी तेजी से इस नशे की गिरफ्त में आकर अपना भविष्य बर्बाद कर रही है। यह बात अलग है कि पुलिस प्रशासन द्वारा आये दिन नशा मुक्ति की रैली निकालते हुए लोगों को नशें से दूर रहने का संदेश दिया जाता है। मगर सही मायने में देखा जावे तो पुलिस द्वारा किये जाने वाली यह पहल मात्र औपचारिकता के आलवा और कुछ जान नही पड़ रही है। अक्सर देखा जाता है कि मंचों से अधिकारियों से लेकर समाज सेवी संस्थाओं द्वारा नशामुक्ति दिवसों पर बड़े बडे भाषण देते हुए नशा से दूर रहने की बात कही जाती है। मगर वही दूसरी ओर गौर करने वाली बात तो यह है कि आज शहर से लेकर गांवों में भी अवैध रूप से जिस प्रकार शराब की बिक्री हो रही है तो दूसरी ओर गांजा भी गांवों में आसानी से उपलब्ध हो रहा है जो चिंता का विषय होने के साथ साथ पुलिस प्रशासन की उदासीनता का परिणाम है? क्योंकि क्षेत्र के अनेक गांवो में खुलेआम अवैध शराब के अलावा गॉजा, महँगी सिगरोटो, मस्ताना मुनक्का, नशीले ड्रग्स व गांव गांव बिक रहे अवैध शराब के सेवन का शौक युवाओं में बढ़ता जा रहा है? उक्त नशीले मादक पदार्थों के आगे मदिरा महारानी शीश झुका रही है..? इस स्थिति में पुलिस या अन्य एन.जी.ओ. द्वारा समय समय पर चलाये नशा मुक्ति अभियान बेअसर सबित हो रहे है? यदि नशे की सच्चाई पर गौर कि जावे तो शहर से लेकर गांवों में शाम से देर रात युवाओं के डगमग कदमो का नजारा देख क्षेत्रवासियों को अब अहसास होने लगा है कि नशा विरोधी बातावरण मंचो से शायराने अंदाज में भाषण देने से नही कुछ होगा बल्कि इसके लिए कारो में नही गलियो में पैदल घूमकर जनसेवा का झंडा उठाने वालो को युवाओं को जागरूक करते हुए इस तरह की लगातार नसीहत देना होगी जिससे नशे का उन पर सवार जिन्न पूरी तरह भाग जाए। मगर अवैध मदाक पदार्थों की बिक्री पर अंकुश लगाने में जिस प्रकार से पुलिस प्रशासन के अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों का रवैया स्पष्ट होते हुए जान पड़ रहा है वह चिंता जनक बनने से नही चूक रहा है...? सूत्रों से मिल रही जानकारी के अनुसार पलोहा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अनेक गांवों में जिस प्रकार से अवैध रूप से गांव गांव शराब तथा गांजा सहित अन्य मादक पदार्थों की बिक्री हो रही है यह बात किसी से छिपी नही है..? वही इस प्रकार से अवैधानिक रूप से मदाक पदार्थों की बिक्री करने वालों का नगर में पदस्थ पेहरेदारों के याराना संबंध होना जहां चर्चा का विषय बन चुके है..? वही दूसरी ओर इस प्रकार के मादक पदार्थों की बिक्री के चलते युवाओं की जिन्दगी पूर्ण रूप से बर्बादी की कगार पर पहुंच रही है। इस संबंध में जब हमारी हरिभूमि टीम से नशामुक्ति की सतही कोशिशो के बारे में चर्चा करते हुए लोगों का कहना है कि शासन प्रशासन के साथ साथ विभिन्न एन जी ओ द्वारा समय समय पर चलाऐ गये नशा मुक्ति अभियान मंचो के सहारे चलाने का कोई नतीजा नही निकलता है? मंचो से तो सिर्फ नशे के चलन पर चिन्ता प्रकट कर उपदेश दिए जा सकते है, इससे नशा छोड़ने के बारे में युवा पीढ़ी में सीधा संदेश नही जाता, नशा मुक्ति के लिए जमीनी स्तर पर प्रयास किए जाने जरूरी है, क्योंकि जब तक गांव गांव बिकने वाली अवैध शराब पर पुलिस रोक नही लगाती है तो इस प्रकार से नशामुक्ति अभियानों का कोई महत्तव नही है?

बिजली विभाग की उदासीनता से झूलते हुये बिजली तारों का खमियाजा भुगतने मजबूर होते हैं किसान

हरिभूमि न्यूज/ कल्याणपुर। जिस प्रकार से देखा जा रहा है कि बिजली विभाग द्वारा एक ओर अपने बिजली बिलों की बसूली को लेकर तो सभी प्रकार के माप दंडों का उपयोग करते हुए किसानों से पैसा बसूने में उनके घरों में रखी हुई सामग्री तक जप्त करने से नही चूक रही है? मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि बिजली विभाग द्वारा अपनी विद्युत लाईनों के रख रखाब की ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने के कारण प्रति वर्ष क्षेत्र के किसानों को बिजली विभाग की लापरवाही के चलते आर्थिक क्षति का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। क्योंकि बिजली विभाग की उदासीनता का परिणाम है कि किसानों के खेतों से निकली हुई बिजली लाईनों की स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि वह वर्षो पुरानी होने के कारण उनके तार झूला के समान झूलते हुए दिखाई दे रहे है और वह तार जरा से हवा चलते ही एक दूसरे से टकरा जाने की स्थिति में आग की चिन्गारी छोड़ना चालू कर देते है। इसके चलते किसानों के खेतों में खड़ी हुई फसलों में आग लग जाने के कारण किसानों को आर्थिक क्षति का सामना करने के लिए प्रतिवर्ष मजबूर होते हुए देखा जाता है, जिसका उदाहरण इस समय क्षेत्र के अनेक गांवों में देखने भी मिल रहा है जहां पर किसानों के खेतों में खड़ी हुई फसले आये दिन आग से जलकर खाक

होने से नही चूक रही है। क्योंकि क्षेत्र के गांवों की मेन्टेनेस व्यवस्था पर बिजली विभाग द्वारा ध्यान नही दिये जाने के कारण गांवो में किसानों की सिंचाई हेतु स्थापित किये गये ट्रांसफार्मर भी जल जाते है जिनकों बदलवाने के लिए क्षेत्र के किसानों को बिजली विभाग के अधिकारियों के अनेक चक्कर लगाने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इस स्थिति में देखा जावे तो जहां किसानों के खेतों में आग लगने के कारण उन्हें आर्थिक क्षति का सामना करना पड़ता है वही दूसरी ओर कई दिनों तक बिजली बंद रहने के कारण उनकी सिंचाई का कार्य भी प्रभावित होता है। इस प्रकार से क्षेत्र के किसानों के खेतों में खडी हुई फसलों के ऊपर झूलते तारों के चलते दहशत में दिखाई पड़ रहे है

कई एकड़ जमीन और नलकूप घर में होने के बाद भी गरीबों की सूची में नाम?

हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर। शासन की योजनाओं में मनमानी करना अधिकारियो का आदत में बनता जा रहा है, क्योंकि सरकार द्वारा गरीबों के हितों को ध्यान में रखते हुए अनेक प्रकार की योजनाएं चलाते हुए उनका भला करने की सोच रखी हुई है, मगर उन योजनाओं का लाभ गरीबों को मिलने की जगह इस प्रकार के लोगों को उठाते हुए देखा जा रहा है जो पूर्ण रूप से साधन संपन्न है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई जनपद पंचायत चावरपाठा अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों में देखने मिल रही है। जहां पर जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा गरीबी रेखा व अति गरीबी रेखा सूची में बरती गई लापरवाही के चलते जहां पात्र लोगों के नाम तो नही जुड़े है, किन्तु अपात्रों के नाम अवश्य जोड़ दिये गये है। जिनके पास अपने खेतों में नलकूप सहित ट्रेक्टरों से लेकर सभी प्रकार के साधन उपलब्ध है, इस प्रकार से गौर किया जावे तो गरीबों को मिलने वाले हक का उपयोग अपात्र व प्रभावशाली लोग आसानी से उठाते हुए देखे जा रहे है, जबकि शासन द्वारा चलाई जा रही अनेक योजनाओं के बाद भी गरीब रोजी रोटी की तलाश में भटकने के लिए मजबूर हो रहे है, आम जन द्वारा गरीबी रेखा, अति गरीबी रेखा सूची से अपात्र लोगों के नाम काटने की बात कही जा रही है, जबकि सूची का पुनरीक्षण किए जाने पर पात्र लोगों के नाम जोड़ने की भी मांग की है। यदि यहां की इस सूची की बारिकी से जांच की जावे तो कई एकड़ के कास्तकारो के साथ जिनकी पक्की बिल्डिग बनी है,उन लोगों को इस सूची में शामिल करना अधिकारियों की लापरवाही या फिर मिलीभगत का नतीजा है, जिसके लिये शासन के आदेशों को ताक पर रखकर ऐसा किया जा रहा है,जबकि ये लोग शासकीय वेतन का भी उपयोग करते है और फिर यही लोग सूची में अपना नाम जुड़वा लेतें है, ऐसे कृत्यों की जांच किए जाने की जरूरत है। जबकि पात्र लोगों के नाम प्रकाश में आने पर कार्रवाई किए जाने की आवश्यकता है, शासन की योजनाओं में पलीता लगाया जाना आम हो चुका है, जिससे गरीबों का हक अमीरों के लिए वरदान बना हुआ है, क्षेत्र वासियों का कहना है कि एक ओर सरकार तो खुलीमंचों से गरीबों को लाभ देने की बात कह रही है। मगर उन गरीबों को उनकी योजनाओं का लाभ लेने के लिए पात्र बनने ही नही दे रही है, यदि यहां की सूचियों की जांच की जावे तो गरीबों रेखा में ऐसे लोग पाये जा सकते है जो सत्ताधारी पार्टी के पदाधिकारी है और जिनके खेतों की सिंचाई करने के लिए कई नलकूप पानी निकाल रह है, प्रत्येक ग्राम पंचायतों में यदि इस बात की जांच की जाए तो ऐसे कई मामले प्रकाश में आयेगें जो लोग अमीरी की दहलीज पर खड़े है वह भी गरीबों के हक को छीनने में लगे हुए है?मजेदार बात यह है कि आज तक प्रशासन यहां के गरीबी रेखा की सूची के पुनरीक्षण कराये जाने की ओर कोई कदम नही उठाया गया,जिसमें गरीबों का हक अमीरों के पास जा रहा है और गरीब भूखों मरने के लिए विवश है।

मात्र औपचारिकता ही साबित हुई शासन की बच्चों को दूध पिलाने की योजना बीते हुये सत्र के दौरान शायद ही किसी बच्चे को दूध पीते हुये देखा गया हो?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। जिस प्रकार से शासन द्वारा सरकारी स्कूलों व आंगनबाड़ी केन्द्रों में अध्ययन करने वाले बच्चों को सभी प्रकार की सुविधाएं प्रदान करने के साथ साथ उन्हें भोजन के आलवा बीते हुये कुछ वर्ष पहले दूध पिलाने की योजना भी शुरू की गई थी। मगर यह योजना मात्र एक औपचारिकता ही जान पड़ते हुए ही दिखाई दे रही है? जानकारी के अनुसार जिस प्रकार से प्रदेश शासन द्वारा कुछ वर्ष पूर्व यानि की वर्ष 2016 में शासकीय स्कूलों में अध्ययन करने वाले छात्र छात्राओं को माध्यान्ह भोजन के साथ साथ उन्हें स्वादिष्ट दूध पिलाने की योजना की शुरूआत करते हुए लाखो रूपया खर्च किया गया था और शुरूआती तौर पर यदि गौर किया जावे तो इस योजना को देखते हुए ते यह जान पड़ रहा था कि निश्चित तौर से इस योजना के चलते सरकारी स्कूलों में अध्ययन करने वाले बच्चें हष्ट पुष्ट बनकर अपने देश का नाम रोशन करने से नही चूकेगे..? और इस योजना की शुरूआत करने के पूर्व जहां शिक्षा विभाग द्वारा आदेश देते हुए सभी स्कूलों में इसका पालन करने के भी सख्त निर्देश जारी किये गये थे, जिसके चलते शासकीय स्कूलों में शासन द्वारा दूध पावडर

भेजते हुए बच्चों को दूध वितरण का कार्य शुरू कर दिया गया था? मगर इस योजना की सच्चाई पर गौर किया जावे तो कुछ दिनों तक तो यह योजना ठीक ठाक रूप से चलते हुए देखी जा रही थी। मगर इसके बाद अब यह योजना जहां स्कूलों में पदस्थ शिक्षको के साथ साथ बच्चों को भोजन देने वाले स्वः सहायता समूहों के लिए इस प्रकार से सिर दर्द बन चुकी थी कि वह बच्चों को दूध देने की जगह शासन द्वारा भेजे गये उस दूध पावडर के अब आग के हबाले करने से भी नही चूक रहे थें, जिसका उदाहरण शासकीय स्कूलों में इस योजना के शुरू होने के चंद माह बाद ही देखने मिलना शुरू हो गई थी? क्योंकि शासकीय स्कूल में जिस प्रकार से शाला प्रबंधन द्वारा बच्चों के लिए शासन द्वारा भेजे गये दूध पावडर के आग के हबाले किया जा रहा है उसे देखते हुए यह बात स्पष्ट होने लगी थी कि इस योजना के नाम पर सरकार द्वारा मात्र पैसा खर्च करते हुए वाही वाली लूटने का ही प्रयास किया गया है? जिसका परिणाम है कि शायद इस योजना को अमली जामा पहनाने को लेकर न तो अधिकारी ध्यान दे रहे है और न ही शिक्षा विभाग के वह लोग जिनके द्वारा इस योजना को शुरूआत कराने के नाम पर लेकर बड़ी बड़ी बाते करते हुए बैठकों का आयोजन कर योजना को सफल बनाने के लिए अनेक महत्वपूर्ण दिशा निर्देश जारी किये गये थे? मगर इस प्रकार से प्रशासनिक अधिकाारियों की उदासीनता का परिणाम है कि सरकार द्वारा बच्चों के हितों का ध्यान रखते इस योजना की शुरूआत की गई थी वह चंद दिन बीतने के बाद अब पूर्ण रूप से दम तोड़ चुकी है और शासन की यह योजना मात्र एक औपचारिकता ही बनकर रह गई है? क्योंकि बीते हुये सत्र की सच्चाई पर गौर किया जावे तो तो शायद ही किसी स्कूलों में शासन की इस योजना के तहत बच्चों को दूध पीते हुए देखा गया हो? यदि इस योजना की सच्चाई पर गौर किया जावे तो प्रशासन अधिकारियों द्वारा इस योजना की शुरूआत करने के बाद ही जिस प्रकार से उदासीनता बरतना शुरू कर दिया गया।

इश्तहार

मेरी पक्षकार श्रीमति बेटीबाई पत्नि श्री पुरूषोत्तम कौरव निवासी रहती तहसील गाडरवारा जिला नरसिंहपुर की ओर से अधिकृत एवं निर्देशित होकर सर्वसाधारण को यह सूचना प्रकाशित करता हूं कि मेरी पक्षकार ने श्रीमति सत्यवती शर्मा पत्नि स्व. श्री रेवाराम शर्मा निवासी रहली तहसील गाडरवारा जिला नरसिंहपुर से ग्राम रहती पटवारी हल्का नयागांव तहसील गाडरवारा स्थित सर्वेक्षण क्रमांक 124 (B) भूखंड संख्या 90(B) जो 124 वर्ग मीटर आवासीय प्रयोजन की भूमि पर बने पक्के 2VHK मकान को क्रय करने का सौदा किया गया है जिसकी रजिस्ट्री उप पंजीयक कार्यालय गाडरवारा में शीघ्र होना भी तय किया है। अगर सर्वसाधारण से किसी भी शासकीय अशासकीय अथवा वित्तीय संस्था इकाई या किसी व्यक्ति विशेष का कोई दावा आपत्ति ऐतराज हो या उक्त संपत्ति को लेकर कोई हक हकूब या अधिकार हो तो वह इस इश्तहार सूचना प्रकाशन के उपरांत 15 दिवस तक मेरे कार्यालय अथवा मेरे पक्षकार के पते पर स्वयं अथवा अपने नियोक्ता प्रतिनिधि अभिकर्ता व अधिवक्ता के माध्यम से दावा अपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। बाद म्याद कोई दावा आपत्ति विधि के अनुसरण में स्वीकार नही की जावेगी। बल्कि आपत्ति के कारण आने वाल सम्पूर्ण खर्चो की जबाबदारी आपत्तिकर्ता की होगी।

लिहाजा सर्वसाधारण जानकारी जाने और अमल करे।

कमलेश कुमारी लोधी (अधिवक्ता)
सिविल कोर्ट, गाडरवारा, जिला-नरसिंहपुर
मोबाईल नं. - 9179141271

खबर संक्षेप

जिला प्रशासन की तत्परता से हितग्राही को मिला जन्म प्रमाण पत्र

डिंडोरी। जिला प्रशासन की त्वरित एवं संवेदनशील कार्यप्रणाली के चलते एक हितग्राही को लंबे समय से लंबित जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त हो सका। ग्राम मारगांव निवासी सिलोचना बनवासी, पिता दशरथ बनवासी, अपने जन्म प्रमाण पत्र के लिए काफी समय से प्रयास कर रही थीं।प्रकरण की जानकारी मिलते ही निर्देशानुसार खंड स्तरीय अन्वेषक अभिषेक बंसल ने आवश्यक अभिलेखों एवं दस्तावेजों की जांच कर नियमानुसार त्वरित कार्रवाई की। उनकी सक्रिय पहल और समन्वित प्रयासों के परिणामस्वरूप हितग्राही का जन्म प्रमाण पत्र शीघ्र जारी कर उन्हें उपलब्ध कराया गया।जन्म प्रमाण पत्र जारी होने के उपरांत इसकी जानकारी कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया को भी प्रस्तुत की गई। इस पूरी प्रक्रिया ने प्रशासन की पारदर्शिता, जवाबदेही और प्रभावी कार्यप्रणाली को दर्शाया।समय पर जन्म प्रमाण पत्र मिलने से हितग्राही को आवश्यक शासकीय कार्यों में सुविधा प्राप्त होगी। जिला प्रशासन ने इसे नागरिकों की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता का उदाहरण बताया है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत धमनगांव में 15 हजार पौधे लगाए गए

डिंडौरी। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित आवरण बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत सोमवार को विकासखंड डिंडौरी के धमनगांव (जोगीटिकरिया) में वृहद पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान के अंतर्गत 30 हेक्टेयर क्षेत्र में 15 हजार फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में डिंडौरी विधायक ओमकार सिंह मरकाम, कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, पुलिस अधीक्षक आशीष खरे, वनमंडलाधिकारी अशोक कुमार सोलंकी, एसडीओ (आईएफएस) विशाल कुमार, संयुक्त कलेक्टर भारती मेरावी, एसडीएम रामबाबू देवांगन, भाजपा जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष नरेंद्र राजपूत सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं वनमंडलाधिकारी ने विधिवत पूजन-अर्चन के बाद पौधारोपण कर अभियान का शुभारंभ किया। इसके बाद उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने भी पौधे लगाकर अभियान में सहभागिता निभाई।इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने कहा कि "एक पेड़ मां के नाम" अभियान केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी और भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक पौधारोपण के साथ उसके संरक्षण और संवर्धन का भी संकल्प ले। पौधों के सुरक्षित और विकसित होने से ही पर्यावरण संरक्षण का उद्देश्य पूरा होगा और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं हरित वातावरण मिल सकेगा। कार्यक्रम के अंत में सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया।

कानून का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें: कलेक्टर

डिंडौरी। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम (एनटीसीपी) के अंतर्गत जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक एवं विभागीय अधिकारियों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जनसुनवाई में गूंजीं शिक्षा, सड़क, बिजली और वन अधिकार की समस्याएं, कलेक्टर ने दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

जनसुनवाई में कई मामलों का मौके पर समाधान, अधिकारियों-कर्मचारियों को दिलाई गई नशामुक्ति की शपथ

डिंडौरी।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने शिक्षा, राजस्व, सड़क, बिजली, वन अधिकार, अनुकंपा नियुक्ति और संबल योजना सहित कई समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखीं। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने सभी आवेदनों की गंभीरता से सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को समय- सीमा में गुणवत्तापूर्ण एवं नियमानुसार निराकरण सुनिश्चित करने केnनिर्देश दिए जनसुनवाई में कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया, जबकि शेष प्रकरणों को संबंधित विभागों को भेजकर शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए गए। माध्यमिक शाला रूसा के पूर्व अतिथि शिक्षक विवेक कुमार ने दो नए अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति के बाद कार्य से पृथक किए जाने की शिकायत करते हुए पुनः पदस्थापना की मांग की। कलेक्टरने सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग को मामले की जांच के निर्देश दिए।

ग्राम मुड़िया कला के ग्रामीणों ने पीपर टोला और समेला टोला जाने वाले शासकीय मार्ग को बंद किए जाने की शिकायत की, जिस पर तहसीलदार डिंडौरी को जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।वनग्राम दादरघुघरी के ग्रामीणों ने वन अधिकार अधिनियम के तहत वन अधिकार पत्र दिए जाने की मांग रखी। वहीं शहपुरा तहसील के ग्राम बरबसपुर निवासी संतोषी बाई मरकाम ने अपनी दिवंगत माता के स्थान पर आंगनबाड़ी सहायिका पद पर अनुकंपा नियुक्ति की मांग की। दोनों मामलों में संबंधित विभागों को नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए गए। ग्राम मडियारास के ग्रामीणों ने नर्मदा रोड मोहल्ले में वर्षों से बिजली कनेक्शन नहीं होने की समस्या उठाई। कलेक्टर ने विद्युत विभाग को जांच कर शीघ्र विद्युत सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के बाद कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा किनशामुक्त समाज के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है और सभी को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति समाज को जागरूक करने का संकल्प लेना चाहिए। जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी, अपर कलेक्टर जे.पी. यादव, संयुक्त कलेक्टर भारती मेरावी, एसडीएम रामबाबू देवांगन, डिप्टी कलेक्टर वैद्यनाथ वासनिक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री के लोकार्पण कार्यक्रम की तैयारियों का कलेक्टर ने लिया जायजा

डिंडौरी।

जिले की प्रभारी मंत्री एवं मध्यप्रदेश शासन की नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी के प्रस्तावित लोकार्पण कार्यक्रम की तैयारियों का मंगलवार को कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने निरीक्षण किया। उन्होंने विकासखंड डिंडौरी के सांदीपनी विद्यालय, नरिया पहुंचकर कार्यक्रम स्थल पर की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मंच, बैठक, पार्किंग, पेयजल, विद्युत, स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी तैयारियां समय पर और सुव्यवस्थित ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि कार्यक्रम के सफल एवं व्यवस्थित आयोजन के लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें तथा आगंतुकों की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी, एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

स्वच्छता ही सेवा अभियान में उमड़ा जनसैलाब

कलेक्टर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना की बाइक रैली-स्वच्छता साथियों का सम्मान, चंद्रविजय महाविद्यालय में हजारों ने लिया स्वच्छता का संकल्प

डिंडौरी।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत सोमवार को जिला मुख्यालय में भव्य स्वच्छता बाइक रैली का आयोजन किया गया। कलेक्ट्रेट परिसर से शुरू हुई इस रैली को कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वच्छता साथियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।रैली में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी, अपर कलेक्टर जे.पी. यादव, संयुक्त कलेक्टर सुश्री भारती मेरावी, एसडीएम रामबाबू देवांगन, डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, शासकीय चंद्रविजय महाविद्यालय डिंडौरी के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। स्वच्छता जागरूकता का संदेश देती यह बाइक रैली नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए शासकीय चंद्रविजय महाविद्यालय डिंडौरी पहुंची, जहां इसका समापन हुआ। समापन कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य श्री उद्दे ने सभी उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को स्वच्छता बनाए रखने तथा स्वच्छ वातावरण के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम के माध्यम से नागरिकों को स्वच्छता अपनाने, सार्वजनिक स्थलों को साफ-सुथरा रखने तथा जनभागीदारी से स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज के निर्माण का संदेश दिया गया। जिला प्रशासन ने अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए प्रत्येक नागरिक से स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की।

ग्राम पंचायत कार्यालय बंद मिलने पर ग्रामीणों और पंचों ने जताई नाराजगी

अमरपुर। जनपद पंचायत अमरपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत बटिया के पंचायत कार्यालय में ताला लगे मिलने पर मंगलवार को पंचों और ग्रामीणों ने नाराजगी जताई। उनका आरोप है कि पंचायत कार्यालय अक्सर बंद रहता है, जिससे ग्रामीणों के जरूरी कार्य समय पर नहीं हो पा रहे हैं।ग्रामीणों का कहना है कि कार्यालयीन समय में सरपंच, सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक कई बार पंचायत कार्यालय में उपस्थित नहीं रहते। वर्तमान में ग्राम रोजगार सहायक प्रभारी सचिव का दायित्व भी संभाल रहे हैं। ऐसे में जन्म, निवास, आय सहित स्कूली विद्यार्थियों के विभिन्न दस्तावेजों और अन्य पंचायत संबंधी कार्यों के लिए लोगों को बार-बार पंचायत कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। पंचों ने पंचायत में वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए मामले की शिकायत जनसुनवाई में करने की बात कही है। उन्होंने पंचायत द्वारा किए गए भुगतानों की जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। इस दौरान उपसरपंच पार्वती बाई वनवासी, प्रताप सिंह धुर्वे, धन सिंह धुर्वे, सीता बाई तेकाम, मीरा बाई सरोते, अंकल सिंह वनवासी, कीर्ति बाई ठाकुर, प्रेमवती बाई मरकाम सहित करन सिंह धुर्वे, पहल सिंह धुर्वे एवं अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्राम पंचायत बटिया के सरपंच सुरेश सरोते ने बताया कि सचिव शासकीय बैठक एवं अन्य कार्य से डिंडौरी गए थे। उन्होंने कहा कि वह स्वयं सुबह करीब 10 से 11 बजे के बीच पंचायत कार्यालय पहुंच गए थे तथा पंचायत कार्यालय प्रतिदिन नियमित रूप से खुलता है।

पुलिस विभाग में प्रमोशन की सौगात, 117 आरक्षकों को मिला प्रधान आरक्षक का दर्जा, देखें पूरी लिस्ट

लंबे इंतजार के बाद पदोन्नति सूची जारी, पुलिस कर्मियों में खुशी की लहर

डिंडौरी। मध्यप्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम-2025 के तहत डिंडौरी पुलिस विभाग में बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए पुलिस अधीक्षक कार्यालय ने 117 आरक्षकों को प्रधान आरक्षक पद पर पदोन्नत करने के आदेश जारी किए हैं। यह आदेश 12 जुलाई 2026 को जारी किया गया है। जारी आदेश के अनुसार, प्रधान आरक्षक के 120 स्वीकृत पदों के विरुद्ध 117 आरक्षकों को अस्थायी रूप से आगामी आदेश तक प्रधान आरक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया है। पदोन्नत कर्मचारियों को उनके वर्तमान पदस्थापना स्थल पर ही नवीन पद का कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही उन्हें मध्यप्रदेश वेतन पुनरीक्षण नियम-2017 के अनुसार देय वेतनमान का लाभ मिलेगा। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि जिन कर्मचारियों के विरुद्ध कोई प्रभावशील दंड या पदोन्नति में बाधक परिस्थितियां हों, उनके संबंध में सक्षम अधिकारी कार्यालय को तत्काल अवगत कराएंगे। ऐसे मामलों में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि पदोन्नति प्राप्त कर्मचारियों को वेतन निर्धारण के लिए निर्धारित अवधि के भीतर अपना विकल्प प्रस्तुत करना होगा। जिन कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय जांच लंबित है, उनके मामलों में शासन के निर्देशानुसार आवश्यक प्रक्रिया अपनाई जाएगी। यह आदेश पुलिस अधीक्षक डिंडौरी द्वारा जारी किया गया है तथा इसकी प्रतिलिपि पुलिस मुख्यालय सहित संबंधित अधिकारियों एवं सभी थाना प्रभारियों को आवश्यक कार्रवाई हेतु भेजी गई है।

48 घंटे में लूट का खुलासा, देवहरा पुलिस ने आरोपी को बाइक सहित दबोचा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी पुष्पराजगढ़ नवीन तिवारी एवं थाना प्रभारी चचाई फूलमती अहिरवार के नेतृत्व में चौकी देवहरा पुलिस ने लूट के एक मामले का महज 48 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लूटी गई मोटरसाइकिल बरामद कर ली। पुलिस के अनुसार, फरियादी अवधेश कुमार सिंह (40 वर्ष), निवासी ग्राम पटना कला, थाना

चचाई ने 11 जुलाई को देवहरा चौकी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 10 जुलाई की रात करीब 9 बजे वह ग्राम देवहरा निवासी उद्धव ओझा की हीरो होंडा पैशन एक्स प्रो मोटरसाइकिल लेकर सिरोल बस स्टैंड स्थित अहमद रजा की दुकान से अंडा बिरयानी लेने गए थे। बिरयानी लेकर लौटते समय सफेद शर्ट पहने एक युवक ने धिरोल पंचायत तक छोड़ने का अनुरोध किया। फरियादी ने उसे मोटरसाइकिल पर बैठा लिया। रात करीब 9 बजे धिरोल पहुंचने पर युवक ने फरियादी को धमकाकर धक्का दिया और मोटरसाइकिल लूटकर फरार हो गया। घटना के बाद फरियादी ने स्थानीय लोगों को पूरी जानकारी दी और मोटरसाइकिल की तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद 11 जुलाई को देवहरा चौकी में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने प्रकरण में भारतीय न्याय संहिता की धारा 309(4) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान गवाहों से मिले सुराग के आधार पर आरोपी की पहचान सुनील यादव (22 वर्ष),

2 वर्ष से फरार शातिर चोर पुलिस के हत्थे चढ़ा चोरी की रकम से खरीदी बाइक भी जब्त

हरिभूमि न्यूज राजनगर। जिले में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत रामनगर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। लगभग दो वर्ष से फरार चल रहे एक शातिर आदतन चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की रकम से खरीदी गई होंडा मोटरसाइकिल और 500 नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब के निर्देशन में जिले के पुराने लंबित प्रकरणों में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगनाथ मारकाम, एसडीओपी कोतमा श्रीमती आरती शाक्य के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी रामनगर सुमित कौशिक के नेतृत्व में थाना रामनगर पुलिस ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार थाना रामनगर के अपराध क्रमांक 266/2024 में धारा 303 (2) एवं 305 (ए) बीएनएस के तहत दर्ज चोरी के मामले में फरार आरोपी छोटू वादी पिता स्व. मोतीलाल वादी (35 वर्ष), निवासी ग्राम चकौड़िया, थाना जैतपुर, जिला शहडोल को 13 जुलाई को गिरफ्तार किया गया। जांच में सामने आया कि आरोपी एक आदतन एवं शातिर चोर है,

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

12

जबलपुर, बुधवार 15 जुलाई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

शिवम मिश्रा आज आकाशवाणी पर

तेंदूखेड़ा। चांवरपाठा नि वा सी नेशनल यूथ अ वा र्ड शिवम मिश्रा का विश्व यु वा कौ श ल दिवस पर प्रादेशिक समाचार एकांश आकाशवाणी भोपाल का विशेष कार्यक्रम प्रदेश की सुर्खियों में साक्षात्कार का प्रसारण आकाशवाणी मध्य प्रदेश के समस्त केन्द्रों से आज 15 जुलाई सुबह 09 :30 से किया जायेगा साक्षात्कार में युवाओं में कौशल विकास को लेकर विस्तार से चर्चा की गई है। शिवम को विगत वर्ष युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा उनके द्वारा किए गए पर्यावरण संरक्षण स्वच्छता अभियान वित्तीय साक्षरता, जल संरक्षण के क्षेत्र में विशेष कार्य हेतु युवाओं को प्रदान किए जाने वाले सर्वोच्च राष्ट्रीय युवा पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

अनु.जनजाति मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पंकज टेकाम 16 को जिला प्रवास पर

तेंदूखेड़ा। भारतीय जनता पार्टी जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अध्यक्ष पंकज टेकाम का 16 जुलाई को प्रथम जिला आगमन हो रहा है। प्रदेश अध्यक्ष विभन्न संगठनात्मक कार्यक्रमों में भाग लेंगे। जिला अनु.जनजाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष रामकुमार ठाकुर ने हमारे प्रतिनिधि को वताया कि प्रदेश अध्यक्ष 16 जुलाई को भोपाल से सड़क मार्ग से पहले तेन्दूखेड़ा पहुंचेंगे। नगरपरिषद कार्यालय में कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत अभिन्दन किया जायेगा। तत्पश्चात राजमार्ग बरमान करेली होते हुये जिला भाजपा कार्यलय में पं.दीनदयाल जी की मूर्ति पर माल्यार्पण तत्पश्चात पार्टी पदाधिकारियों कार्यकताओं द्वारा स्वागत परिचयात्मक बैठक एवं कार्यकर्ता सम्मेलन में भाग लेने के बाद दोपहर गोटेगाँव कार्यकर्ताओ से भेंटआदि कार्यक्रम रखे गये हैं। प्रदेश अध्यक्ष के जिला प्रवास प्रभारी भाजपा जिला उपाध्यक्ष महीष मोदी को नियुक्त किया गया है।प्रदेश अध्यक्ष के प्रवास पर भाजपा के पदाधिकारी मोर्चा प्रकोष्ठ के सभी पदाधिकारी अनु.जनजाति मोर्चा के सभी पदाधिकारी सदस्यों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित की अपील की है।

जनसुनवाई में आये 170 आवेदन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में आवेदकों ने विभिन्न विषयों से संबंधित आवेदन पत्र प्रस्तुत किए। जनसुनवाई में विभिन्न समस्याओं से संबंधित कुल 170 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का तत्काल निराकरण किया। जिन आवेदन पत्रों का तत्काल निराकरण नहीं हो सका, उन आवेदन पत्रों को निर्धारित समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जिला पंचायत सीईओ गजेन्द्र सिंह नागेश सहित अन्य विभागीय अधिकारियों ने भी जनसुनवाई में लोगों की समस्याएं सुनी और उनकी समस्याओं का निराकरण किया।

गजब का कारनामा, शिकायत कर कार्रवाई की मांग

22 वर्ष से भाई के नाम पर नौकरी कर रहा कर्मचारी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सरकार द्वारा युवाओं को रोजगार देने के लिए अनेकों योजनाए बनाकर रोजगार देने की बात कहती है। हालाकि उक्त योजनाओं तथा परिश्रम से युवा शासकीय , अशासकीय एवं निजी रोजगार प्राप्त कर रहे है। लेकिन कुछ ना कर पाने वाले युवा किसी दूसरी की नौकरी छीनने के प्रयास में रहते है। ऐसा ही मामला भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा जबलपुर से सामने आया जिसमें एक व्यक्ति द्वारा अपने ही भाई के नाम से बीते 22 वर्षो से नौकरी की जा रही है। बताया गया कि वह भाई भी उसका सौतेला भाई है। फिलहाल मामले की शिकायत की गई है अब देखना होगा की जांच मे क्या सामने आता है तथा धोखाधड़ी करने वाले पर क्या कार्रवाई की जाती है। फिलहाल मामले फैसला भविष्य की गर्त में समाया हुआ है।

मामला इस प्रकार

भारतीय जीवन बीमा निगम के जबलपुर मंडल में एक कर्मचारी पर अपने ही जीवित सौतेले भाई की पहचान पर कथित तौर पर 22 वर्षों से नौकरी करने का गंभीर आरोप लगा है। किसी भी कानूनी उलझन से बचने के लिए यह स्पष्ट किया जाता है कि यह पूरा समाचार शिकायतकर्ता द्वारा प्रस्तुत दावों पर आधारित है। केंद्रीय सतर्कता आयोग और जीवन बीमा निगम के सतर्कता विभाग को दी गई लिखित शिकायत के अनुसार, आरोपी कर्मचारी शिव कुमार श्रीवास्तव पर अपने भाई कैलाश कुमार श्रीवास्तव की शैक्षणिक पहचान का कथित रूप से इस्तेमाल कर 2004 में नौकरी प्राप्त करने का आरोप है। शिकायतकर्ता द्वारा जांच कर ठोस कार्रवाई की मांग की गई। अब देखना होगा की जांच में क्या सामने आता है।

असली हकदार की स्थिति दयनीय

शिकायत में बताया गया है कि उक्त नौकरी का जो असली हकदार है उसकी आर्थिक

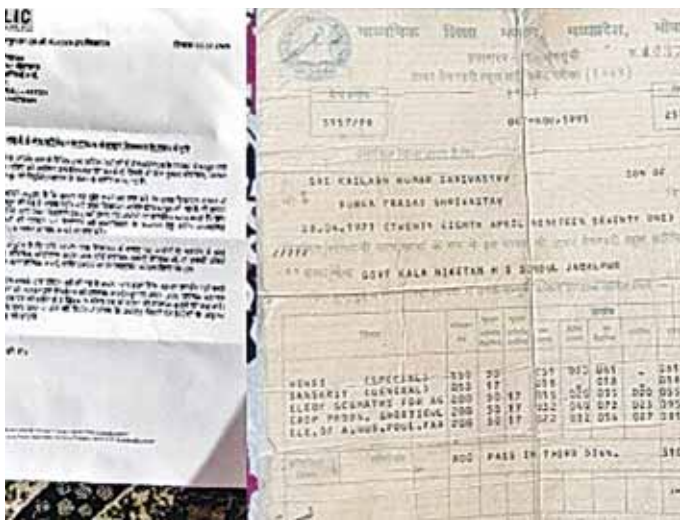

स्थिति आज बेहद दयनीय है और जिसने नौकरी धोखाधड़ी कर प्राप्त कर ली है। वह उसके संबंधी है। इस पूरे कथित मामले में सबसे चैंकाने वाला पहलू यह है कि इस महाघोटाले की पोल किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं खोली है। सतर्कता विभाग को दी गई विस्तृत शिकायत में शिकायतकर्ता ने लिखित में दावा किया है कि आरोपी शिव कुमार श्रीवास्तव व असली हकदार कैलाश श्रीवास्तव दोनों उसके सगे बड़े पापा हैं। शिकायत पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि जिस असली कैलाश की पहचान का कथित रूप से इस्तेमाल हुआ है, उनकी आर्थिक स्थिति वर्तमान में बेहद खराब है और वे काफी दयनीय जीवन यापन कर रहे हैं। शिकायतकर्ता द्वारा यह सनसनीखेज दावा भी किया गया है कि वर्ष 2014 में नियमितीकरण के समय न्यायालय के समक्ष कथित तौर पर एक फर्जी शपथ पत्र प्रस्तुत किया गया था। शिकायत के अनुसार, आरोपी कर्मचारी ने सत्यापन के वक्त शपथ पत्र में कथित रूप से यह लिख कर दिया था कि वही शिवकुमार है और वही कैलाश कुमार है। शिकायतकर्ता का दावा है कि दोनों भाइयों के पिता का नाम एक होने के कारण यह कथित धोखाधड़ी उस समय अधिकारियों की पकड़ में नहीं आ सकी।

शिकायतकर्ता को दिया गया अल्टीमेटम

उक्त मामले में जब सूचना के अधिकार के तहत कर्मचारी की नियुक्ति फाइल और न्यायालय के आदेश की प्रमाणित प्रति मांगी गई तो जीवन बीमा निगम जबलपुर के लोक सूचना अधिकारी ने तृतीय पक्ष की जानकारी होने का हवाला देते हुए जानकारी देने से स्पष्ट इनकार कर दिया। हालांकि मामले की गंभीरता को देखते हुए जीवन बीमा निगम के मुंबई स्थित सतर्कता विभाग ने पत्र जारी कर शिकायतकर्ता से 15 दिन में पहचान की पुष्टि मांगी है। वहीं, जबलपुर कार्यालय ने भी एक अन्य पत्र जारी कर शिकायतकर्ता को 7 दिन के भीतर साक्ष्यों के साथ उपस्थित होने का अल्टीमेटम दिया है, ताकि मामले की सत्यता जांची जा सके। शिकायतकर्ता ने इस पूरे प्रकरण की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो से जांच और अब तक आहरित वेतन की वसूली की मांग की है।

कलेक्टर कार्यालय परिसर शांत क्षेत्र घोषित, प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने कार्यालय कलेक्टर नरसिंहपुर (नरसिंह भवन) के संपूर्ण परिसर को शांत क्षेत्र घोषित करने का आदेश जारी किया है। साथ ही जनसामान्य के हितध जानमाल की सुरक्षा एवं लोक शांति बनाए रखने के लिए नरसिंहपुर जिले की राजस्व सीमा में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के प्रावधानों के तहत जारी किया है। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 एवं अन्य युक्तियुक्त प्रावधानों के अंतर्गत वैधानिक कार्यवाही की जावेगी। जारी आदेश के मुताबिक कोई भी व्यक्ति, राजनैतिक दल, संस्था आदि किसी भी प्रकार का धरना, प्रदर्शन, जुलूस, रैली एवं कार्यक्रम के आयोजन के पूर्व उसकी लिखित सूचना संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी को अनिवार्य रुप से देकर लिखित अनुमति प्राप्त करनी होगी। सूचना में धरना, प्रदर्शन, जुलूस, रैली, कार्यक्रम का रुट, स्थल एवं उसमें सम्मिलित होने वाले व्यक्तियोंध वाहनों की अनुमानित संख्या का उल्लेख अनिवार्य रुप से किया जाएगा, ताकि तदनुसार आवश्यक पुलिस व्यवस्था की जा सके। अनुविभागीय दण्डाधिकारी द्वारा जारी अनुमति में उपरोक्त तथ्यों का स्पष्ट रुप से समावेश किया जाएगा। धरना, प्रदर्शन, जुलूस, रैली, ज्ञापन एवं कार्यक्रम के दौरान डीजे जैसे तेज ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग नहीं किया जाएगा। केवल लाउड स्पीकर का उपयोग किया जा सकेगा। यदि कोई संगठन किसी मुद्दे पर ज्ञाप प्रस्तुत करना चाहता है, तो इसकी पूर्व अनुमति के उपरांत ही संगठन के 5 व्यक्ति कलेक्ट्रेट परिसर में प्रवेश कर अधिकारी को ज्ञापन सौपेगें। ज्ञापन प्राप्त करने वाले अधिकारी के कार्यालय परिसर या उससे आसपास नारेबाजी नहीं की जाएगी एवं लाउड स्पीकर का उपयोग भी प्रतिबंधित रहेगा। धरना, प्रदर्शन, जुलूस, रैली एवं कार्यक्रम के आयोजन के दौरान यदि किसी प्रकार की हिंसात्मक घटनाएं या कानून व्यवस्था भंग होने की घटना होती है, उसके लिए संबंधित व्यक्ति व्यक्तियों के साथ आयोजनकर्त्ता भी जिम्मेदार होगा।

551 पौधों का सामूहिक पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित आवरण बढ़ाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह 13 जुलाई को ग्राम करहैया के शान्तिधाम, हरिओम आश्रम पांजरा एवं गिट्टी क्रेशर पांजरा में सामूहिक पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पौधरोपण कार्यक्रम में खनिज विभाग की खनि निरीक्षक श्रीमती अनुपमा सिंह बघेल एवं सहायक खनि अधिकारी श्रीमती दीपा बरैवार की मौजूदगी में और उत्खनन पट्टेदार राजकुमार पटेल के सहयोग से कुल 551 पौधों का रोपण किया गया। इनमें अमरूद, आम, नीम, कटहल, जामुन, आंवला, मीठी नीम एवं नींबू जैसी विभिन्न उपयोगी एवं पर्यावरण हितैषी प्रजातियों के पौधे लगाए गए। इस दौरान स्थानीय निवासियों एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पौधारोपण में सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर उपस्थितजनों को पौधरोपण के महत्व एवं पर्यावरण संरक्षण से होने वाले लाभों की जानकारी भी दी गई। यह पहल जिले में हरित वातावरण निर्माण एवं जनभागीदारी से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

श्रीजी सेवा संस्थान द्वारा मनाया गया मानसून पर्व

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। श्रीजी सेवा संस्थान शाखा द्वारा विगत दिवस मानसून पर्व उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान की मातृशक्तियों ने हरियाली थीम पर आकर्षक एवं पारंपरिक वेशभूषा धारण कर वर्षा ऋतु का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम के अंतर्गत गणेश मंदिर परिसर में मातृशक्तियों ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा हरित एवं स्वच्छ वातावरण के निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया। उन्होंने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनके संरक्षण का आह्वान भी किया। कार्यक्रम का वातावरण उत्साह, सौहार्द और प्रकृति प्रेम से सराबोर रहा। इस अवसर पर मातृशक्तियों ने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। प्रकृति संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन के लिए प्रत्येक नागरिक को अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए।

युवा संगम कार्यक्रम का आयोजन 20 को

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिला रोजगार अधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि रोजगार, स्वरोजगार व अप्रेंटिसशिप मेला के अवसर पर बेरोजगार शिक्षित युवक- युवतियों को रोजगार प्रदान करने के उद्देश्य से युवा संगम कार्यक्रम का आयोजन जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में सोमवार 20 जुलाई को प्रातः 10.30 से शासकीय श्याम सुंदर नारायण मुशरान महिला महाविद्यालय नरसिंहपुर में किया जायेगा।

कुछ दिन ही बरसने के बाद चले बादल

अब उमस भरी गर्मी से हर वर्ग परेशान

नरसिंहपुर। काफी विलंब से आये मानसून से जैसे तैसे ही राहत मिल पाई थी कि कुछ दिन ही बरसने के बाद बारिस ना जाने कहां चली गई तेंदूखेड़ा क्षेत्र में मानसून की लंबी खामोशी ने कृषि कार्यों को गंभीर रूप से प्रभावित कर दिया है। बारिश न होने से न केवल तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है बल्कि उमस भरी गर्मी ने आम जनजीवन को भी बेहाल कर दिया है। खेतों में नमी का अभाव होने से किसान अब अपनी फसलों को लेकर गहरी चिंता में हैं।

तो फिर फसलें सूखने की कगार पर

बारिश के अभाव में खेती का चक्र पिछड़ रहा है। अपनी व्यथा सुनाते हुए बिल्गुआ निवासी किसान दीपक पाठक ने बताया कि पिछले कई दिनों से बादलों की आवाजाही तो हो रही है। लेकिन पानी नहीं गिर रहा। उमस इतनी ज्यादा है कि खेत की मिट्टी पूरी तरह सूख चुकी है। बुवाई के बाद अंकुरित हुई फसलें अब पानी के अभाव में मुरझाने लगी हैं। यदि दो चार दिन में अच्छी बारिश नहीं हुई। तो लागत निकालना भी मुश्किल हो जाएगा। वार्ड

किसान परेशान फसलें मांग रही हैं पानी

क्रमांक 13 सागौनी निवासी प्रतिष्ठित कृषक हरनाम सिंह उर्फ बब्लू पटेल का कहना है कि मौसम की इस अनिश्चितता ने सब कुछ बिगाड़ कर रख दिया है। अभी तक जो बारिश होनी चाहिए थी वह नहीं हुई। वैसे ही पिछले साल की अपेक्षा इस वर्ष आधी वारिस ही अभी तक हुई है।हम डीजल पंप चलाकर सिंचाई करने को मजबूर हैं। जिससे खेती की लागत कई गुना बढ़ गई है। आसमान में टकटकी लगाए बैठे हैं। लेकिन राहत के आसार नहीं दिख रहे।

आमजन पर भी असर

खेती के साथसाथ बढ़ती उमस ने स्वास्थ्य पर भी असर डालना शुरू कर दिया है। ग्रामीण क्षेत्रों में लोग इस चिपचिपी गर्मी से परेशान हैं। कृषि जानकारों का मानना है कि यदि जल्द ही मानसून सक्रिय नहीं हुआ, तो खरीफ फसलों के उत्पादन में भारी कमी दर्ज की जा सकती है।फिलहाल तेंदूखेड़ा क्षेत्र के अन्नदाता इंद्रदेव से अच्छी वर्षा की प्रार्थना कर रहे हैं ताकि उनकी मेहनत बेकार न जाए और खेतों में हरियाली लौट सके।

अपाक्स संघ की बैठक का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस अपाक्स संघ की बैठक का आयोजन कर विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की गई। बैठक में विधि झारिया, काला पहाड़ द्वारा संगठन को सुदृढ़ बनाने हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक मे सचिव एल. के. डहेरिया कार्यकारिणी सदस्य रीता यादव, त्रिवेणी ठाकुर, राज रेवाराम मेहरा, सांईखेडा ब्लॉक अध्यक्ष योगेन्द्र झारिया, गोटेगांव ब्लॉक अध्यक्ष केदारनाथ कोरी उपाध्यक्ष कमलेश भनारे, नीलेश मेहरा उपस्थित हुए बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जिसमें मुख्य रूप से जिला सिवनी में होने वाले संभागीय सम्मेलन के विषय में चर्चा की गई। अंत में विधि झारिया अपाक्स जिला अध्यक्ष द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

तेन्दूखेड़ा। विगत दिवस सिविल न्यायालय तेन्दूखेड़ा की तहसील विधिक सेवा समिति तेंदूखेड़ा द्वारा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण माननीय अखिलेश शुक्ला के आदेशानुसार एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार तहसील विधिक सेवा समिति तेन्दूखेड़ा द्वारा ग्राम गंगई के शासकीय माध्यमिक शाला गंगई में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति द्वारा सरस्वती जी की मूर्ति की पूजा अर्चना से आरंभ हुआ तत्पश्चात अध्यक्ष विधिक सेवा समिति तेंदूखेड़ा द्वारा शिविर में उपस्थित छात्रछात्राओं को भारतीय संविधान एवं सामाजिक न्याय के उद्देश को समझाते हुए बच्चों को संविधान द्वारा दिए गए मौलिक अधिकारों जैसे समानता का अधिकार व शिक्षा का अधिकार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बारे में विस्तृत से जानकारी दी गई। साथ ही सामाजिक न्याय समाज के हर वर्ग विशेषकर वंचित कमजोर और पिछड़े वर्ग के बच्चों व नागरिकों को समान अवसर और सम्मान मिलने के महत्व को समझाया गया। मौलिक कर्तव्य अधिकारों के साथ साथ देश और समाज के प्रति बच्चों के क्या कर्तव्य है जैसे पर्यावरण की रक्षा सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान न पहुंचाना और आपसी भाईचारा रखने के विषय पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

कलेक्टर के आदेश के बाद भी छत्तरपुर में नहीं लगा आधार शिविर, घंटों इंतजार करते रहे ग्रामीण

तेंदूखेड़ा। कलेक्टर के निर्देशानुसार 14 जुलाई को ग्राम पंचायत छत्तरपुर में आधार कार्ड बनाने एवं आधार अपडेट करने के लिए विशेष शिविर आयोजित किया जाना था। शिविर की सूचना मिलने पर सुबह 10 बजे से ही बड़ी संख्या में ग्रामीण पंचायत भवन पहुंच गए, लेकिन निर्धारित समय पर आधार पंजीयन टीम नहीं पहुंची। घंटों इंतजार के बाद भी शिविर शुरू नहीं हो सका। जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों ने बताया कि वे आधार कार्ड बनवाने मोबाइल नंबर अपडेट कराने पता जन्मतिथि तथा अन्य आवश्यक संशोधन कराने के लिए अपने दैनिक कार्य छोड़कर पंचायत पहुंचे थे। कई लोग छोटे बच्चों और बुजुर्गों को साथ लेकर आए थे। लेकिन पूरे दिन आधार ऑपरेटर या संबंधित कर्मचारी के नहीं पहुंचने से उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ा। ग्रामीणों का कहना है कि जब जिला प्रशासन द्वारा शिविर आयोजित करने के निर्देश जारी किए गए थे, तो लोगों को उम्मीद थी कि उन्हें अपने गांव में ही आधार संबंधी सेवाओं का लाभ मिलेगा। लेकिन टीम के नहीं पहुंचने से लोगों का समय और श्रम दोनों व्यर्थ हो गया। इससे ग्रामीणों में नाराजगी भी देखने को मिली। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग से मांग की है कि शिविर नहीं लगने के कारणों की जांच की जाए तथा जल्द नई तिथि घोषित कर आधार पंजीयन एवं अपडेट शिविर का आयोजन सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और उन्हें समय पर आधार संबंधी सेवाओं का लाभ मिल सके।